# सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित कैंसर उपचार के लिए उपयोगी मैग्नेट्रॉन टेक्नोलॉजी के लिए भारत सरकार के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किया बैंगलूरू की कंपनी से समझौता

सीएसआईआर – केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) द्वारा विकसित 'एस-बैंड ट्यूनेबल मैग्नेट्रॉन फॉर पार्टिकल एक्सलरेटर्स" टेक्नोलॉजी के व्यावसायिक विकास और वाणिज्यीकरण के लिए भारत सरकार के टेक्नोलॉजी डेवलपमेन्ट बोर्ड ने दिनांक 25 मई, 2022 को मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज़ प्रा. लि., बैंगलूरू से समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। माननीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह जी की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं मैग्नेट्रॉन परियोजना के प्रमुख डॉ शिवेन्द्र मौर्य के अलावा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टेक्नोलॉजी डेवलपमेन्ट बोर्ड), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री राजेश पाठक और मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज़ प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक श्री जी वी सुब्रह्मण्यम एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

माननीय विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह जी की उपस्थिति में एम ओ यू का आदान-प्रदान

सीरी द्वारा विकसित 2.6 मेगावॉट S-बैंड ट्यूनेबल पल्स्ड मैग्नेट्रॉन का प्रयोगशाला प्रोटोटाइप

सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिकों ने इस अत्यंत महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी का विकास किया है। भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को साकार करने के लिए संस्थान द्वारा विकसित इस प्रौद्योगिकी की तकनीकी जानकारी का हस्तांतरण जुलाई 2020 में मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज़ को किया था ताकि इससे देश में उपलब्ध रेडियोथैरेपी मशीनों में स्वदेशी मैग्नेट्रॉन का उपयोग किया जा सके। अभी इन मशीनों में आयात किए गए मैग्नेट्रॉन का ही उपयोग होता है। इस एम ओ यू के अंतर्गत भारत सरकार का टेक्नोलॉजी विकास बोर्ड, मेसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज़ प्रा. लि. को इस टेक्नोलॉजी की मदद से कैंसर के उपचार में उपयोगी रेडियोथैरेपी मशीनों का निर्माण करने के लिए आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राप्त करने हेतु वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा।

सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने डॉ शिवेन्द्र मौर्य सहित संस्थान की मैग्नेट्रॉन टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

## मीडिया में प्रकाशित समाचार

दैनिक भास्कर

शेखावाटी भास्कर

सीरी की कैंसर उपचार में उपयोगी मैग्नेट्रॉन तकनीक विकसित होगी, केंद्र ने किया MOU

भास्कर न्यूज | पिलानी

सीरी द्वारा विकसित एस बैंड ट्यूनेबल मैग्नेट्रॉन फॉर पार्टिकल एक्सलरेटर्स टेक्नोलॉजी के व्यावसायिक विकास और वाणिज्यीकरण के लिए केंद्र सरकार के टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड ने बैंगलुरू की एक कंपनी से समझौता किया है। इसका मकसद रेडियोथैरेपी मशीनों में स्वदेशी मैग्नेट्रॉन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना है। क्योंकि अभी तक यह विदेशों से ही आयात किया जाता है। यह तकनीक कैंसर उपचार में उपयोगी है। समझौते के अनुसार केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में इस तकनीकी का इस्तेमाल किया जाना है। इस एमओयू के तहत केंद्र सरकार का टेकनोलॉजी विकास




पिलानी मॉडल की प्रस्तुति

बोर्ड मेसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीस को इस टेक्नोलॉजी की मदद से कैंसर के उपचार में उपयोगी रेडियोथैरेपी मशीनों का निर्माण करने के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर डवलप कराने में वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रमुख, मैग्नेट्रॉन डॉ. शिवेंद्र मौर्य, बोर्ड के सचिव राजेश पाठक और मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीस के प्रबंध निदेशक जीवी सुब्रह्मण्यम ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी का हस्तांतरण जुलाई 2020 में मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीस को किया था। ताकि इससे देश में उपलब्ध रेडियोथैरेपी मशीनों में स्वदेशी मैग्नेट्रॉन का उपयोग किया जा सके। अभी इन मशीनों में आयात किए गए मैग्नेट्रॉन का ही उपयोग होता है। सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने डॉ. शिवेंद्र मौर्य ने इस पर खुशी जताई है।

सीमा सन्देश

शेखावाटी सन्देश

3

सीरी द्वारा विकसित मैग्नेट्रॉन टेक्नोलॉजी : कैंसर उपचार के लिए उपयोगी है यह टेक्नोलॉजी

भारत सरकार के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किया बेंगलूरू की कंपनी से समझौता

---